RAJYA SABHA

Wednesday, the 16th May, 1990/26th Vaisakha, 1912 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. CHAIRMAN: Question No. 201.

SHRI M. M. JACOB: Sir, a serious situation has developed in Nagaland. They are flouting all norms of democracy there.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : नागालैंड में जिस तरह से सरकार को बदला जा रहा है **(व्यवधान)**

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: It is Question Hours, Mr. Jacob.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: One after another insurgency is taking place in various parts of the country. If democracy is butchered and the States are governed by the administration officials... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. This is Question Hour. I have called Q. No. 201.

SHRI AJIT P. K. JOGI: If there is a toppling game in Nagaland, you should know about it.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सरकारों को गिराने की कोशिश की जा रही है **(व्यवधान)** दल बदल को बढावा दिया जा रहा है **(व्यवधान)** यह सब विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार कर रही है **(व्यवधान)**

श्री अजीत जोगी : यही वेल्यू बेस्ड पोलिटिक्स है **(व्यवधान)**

श्री वीरेन्द्र वर्मा : कर्नाटक को याद करो **(व्यवधान)**

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, in Karnataka Mr. Hegde was responsible.

SHRI BHUBANESHWAR KALITA: Sir, he has been pressurised by the Governor.

डा० रत्नाकर पांडेय : यह जनतंत्र के लिए खतरनाक है **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: This is Question Hour. So long as the Question Hour is there, there will be only questions. If you want the Question Hour to be suspended, you move a Resolution and I will take the vote and decide.

SHRI VISHVJIT P SINGH: I move:

"That the Question Hour be suspended."

SEVERAL HON. MEMBERS: No.

MR. CHAIRMAN: Question No. 201.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, what happened to the motion? It is a (*) or what? I think the Janata Dal had some motion.

जम्मू और कश्मीर प्रशासन में पाकिस्तान समर्थक कार्मिक

***201. श्री बेकल "उत्साही" : †**
डा० रत्नाकर पांडेय :

क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जम्मू और कश्मीर प्रशासन में तथा वहां के पुलिस बल में अनेक कार्मिक पाकिस्तान समर्थक हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में स्थिति का सामना करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

(*)Expunged as ordered by the Chair.

†सभा में यह प्रश्न श्री बेकल "उत्साही" द्वारा पूछा गया ।

गृह मंत्री (श्री मफती मोहम्मद सईद) : (क) और (ख) राज्य सरकार स्थिति पर निगरानी रख रही है और आवश्यक कार्रवाई कर रही है । इन कारणों से पुलिस कार्मिकों सहित कुछ कर्मचारियों को सेवाओं से हटा दिया गया है ।

श्री बेकल "उत्साही" : सभापति महोदय, मेरा सवाल बहुत अहम है और इसके पीछे बहुत सी अहम बातें हैं जिनको कह कर मैं सदन का वक्त जाया नहीं करना चाहता । मुख्तसरन अपने लायक दोस्त मोहतरम वजीरे दाखला से यह मालूमात करना चाहता हूं कि क्या सरकार जम्मू कश्मीर के इंतजामिया यानी प्रशासन और महकमाए-पुलिस में घुसे पाकिस्तान समर्थक और भारत विरोधी तत्वों का सफाया करने के लिए हाल में जमायते इस्लामी के जरिये चलाए जाने वाले स्कूलों और मदरसों में काम करने वाले मदर्रसीन और अध्यापकों की स्क्रीनिंग करने के लिए गठित स्टेट स्क्रीनिंग बोर्ड की तर्ज पर कोई स्क्रीनिंग कमेटी बनाने का ख्याल रखती है जिससे पुलिस में इंतजामिया में घुसे देश विरोधी अनासिरों की शनाखत हो सके और उनके खिलाफ सख्त और मुनासिब कार्यवाही की जा सके ?

†[شری بیکل اتساهی : میرا سوال بہت سنجیدگی مہودے - اہم ہے اور اسکے پیچھے بہت سی اہم باتیں ہیں جنکو کہکر میں سدن کا وقت ضائع نہیں کرنا چاہتا - مختصراً اپنے لائق دوست معتمرم وزیر داخلہ سے یہ معلومات کرنا چاہتا ہوں کہ کیا سرکار جمو کشمیر کے ڈنتظامیہ یعنی پرشاسن اور محکمہ اولیس میں گھسے پاکستان سمرتھک اور بھارت وروڈھی تتوں کا سفایا کرنے کے لئے حال میں جماعت اسلامی کے ذریعے چلائے جانے والے اسکولوں اور مدرسوں میں کام کرنے والے مدرسین اور ادھاپکوں کی اسکریننگ کرنے کیلئے گٹھت استیت اسکریننگ بورڈ کی طرز پر کوئی اسکریننگ کمیٹی بنانے کا خیال رکھتی ہے جس سے پولیس میں انتظامیہ میں گھسے دیش وردھی عناصروں کی شناخت ہوسکے اور انکے خلاف سخت اور مناسب کاروائی کی جا سکے -]

श्री सुबोधकांत सहाय: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल उठाये हैं उनकी गम्भीरता को देखते हुए ही वहां से कुछ पुलिसकर्मियों और जो स्टेट गवर्नमेंट के इम्पलायीज थे उनको डिसमिस किया । शायद कुछ क्रिमिनल केसेज भी चलाये जा रहेहैं और इस परिप्रेक्ष्य में एक स्क्रीनिंग कमेटी के तौर पर ही जो वहां के गवर्नर के एडवाइजर्स हैं उनके साथ मिलकर यह कार्यवाही की जा रही है ।

श्री बेकल "उत्साही" : हुजूरेवाला, मैं वजीरे मोहतरम से पूछना चाहता हूं कि: 'आप जिन फूलों की रंगत का बयां करते हो अब उन्हीं फूलों की खुशबू नहीं चिंगारी है । इन दिनों वादिए काश्मीर का ऐसा है निजाम हर तरफ फ़ितना-व-दहशत की अमलदारी है लोग इधर रोज बयानात में मसरूफ तो हैं और उधर खुल्द जला देने की तैयारी है, आंख दुश्मन की तरफ़ अपनी तरफ़ चेहरा है। ये मोहब्बत की अदा है या अदाकारी है । ये अगर सत्य नहीं है तो कहो सच क्या है वरना ये अहदे हुकूमत नहीं तादारी है । किसको समझाये ये सरकार का अन्दाजे जवाब,

अब तो अहसानों तसल्ली में भी हुशियारी है ।

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

मेरा सप्लीमेंट्री है कि काश्मीर को सुथरा माहोल और मेहतमंद इंतजामिया उपलब्ध कराने के लिए क्या सरकार प्रशासन और पुलिस में संदिग्ध यानी मशकूक, अज्जन और मुकतदर लोगों का काश्मीर से बाहर तबादला करने और उनकी जगह पर बाहर के राज्यों से पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को लेने के सुझाव पर विचार कर रही है, अगर हां तो इसका ब्यौरा क्या है ?

†[اشری بیکل اتساہی : حضور والا میں محترم سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ -

آپ جن پھولوں کی رنگت کا بیان کرتے ہو اب ان پھولوں کی خوشبو نہیں ہے انکاری ہے -

ان دنوں وادی کشمیر کا ایسا ہے نظام ہر طرف فتنہ و دہشت کی عملداری ہے-

لوگ ادھر روز بیانات میں مصروف تو ہیں

اور ادھر خلد جلا دینے کی تیاری ہے -

آنکھ دشمن کی طرف اپنی طرف چہرہ ہے یہ محبت کی ادا ہے یا اداکاری ہے - یہ اگر سچ نہیں ہے تو کہو سچ کیا ہے ورنہ یہ عہد حکومت نہیں لاچاری ہے-

کس کو سمجھائیں یہ سرکار کا انداز جواب ب تو احسانوں نسلی میں بھی ہوشیاری ہے -

میری سپلیمنٹری ہے - کہ کشمیر کو صاف ستھرا ماحول اور صحت مند انتظامیہ اپلبدھ کرانے کے لئے کیا سرکار پوشاسن اور پولیس سے سندگدھ یعلی مشکوک - معزز اور متدد لوگوں کا کشمیر سے باہر تبادلہ کرنے اور انکی جگہہ پر باہر کے راجیوں سے پولیس کرمیوں اور پرشاسنک ادھکاریوں کو لینے کے سجھاؤ پر وچار کررہی ہے - اگر ہاں تو اسکا بھورا کیا ہے -]

श्री सुबोध कांत सहाय : मैं छोटा नागपुर के इलाके का हूं, मैं तो "हो" और उड़ांव" में भाषण दे पाऊंगा इसलिए लाचारी है । ये सही बात कह रहे हैं । मैं तो काश्मीर को एक गुलिस्तां मानता हूं, वहां शेर कहां रहते हैं वहां तो गुलाब के फूल रहा करते हैं । जैसा कि उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से अगर किसी जिले से संबंधित इस तरह की जानकारी होगी कि इनके रहने से वहां प्रशासनिक ढीलापन होता है तो उनको वहां से हटाकर सक्षम अधिकारियों को वहां पर स्थापित किया जाएगा ।

डा० रत्नाकर पांडेय : माननीय सभापति जी, बेकल जी ने शायरी से माहोल को स्पष्ट किया है ।

श्री सभापति : अब आप कविता पढ़ेंगे ?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : यह उन्हीं की कविता मैं पढ़ूंगा, काश्मीर के संबंध में है :

"आग का गोला लिए भारत का पूनम बन गया ।

खून की बारिश हुई खुद फूल शबनम बन गया ।

माननीय गृह मंत्री जी की ओर मेरा इशारा है ।

"आपने जिस वक्त से काश्मीर का संचालन सम्हाले थे, जहन्नम बन गया ।

†[]Transliteration in Arabic Script.

डा० रत्नाकर पांडेय : कविता को समझने का सेंस तो यहां पैदा कीजिए, अपने में, कविता की ध्वनि समझिए । माननीय सभापति जी, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि काश्मीर में हुए विभिन्न प्रदर्शनों में भारत विरोधी, पाक समर्थक नारे खुलेआम लगते रहे, पाकिस्तान रडे वहां खुलेआम फहराये गये और वहां मौजूदा काश्मीर पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए ?

क्या यह भी सही है कि हाल ही में काश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति तथा उनके विशेष सहायक के अपहरणकर्ता तथा कातिल, अपहरण करने के बाद एक रात काश्मीर पुलिस के अवकाश प्राप्त सिपाही गुलाम कादिर के घर पर रहे, और क्या यह भी सही है कि पिछले पांच महीनों में पाकस्तिानी कैंपों से ट्रेनिंग लेकर बहुत से उग्रवादी काश्मीर पुलिस तथा प्रशासन में घुसपैठ कर चुके हैं और उनकी मिली भगत से पकड़े गये आतंकवादी, पुलिस हिरासत तथा जेलों से फरार हो चुके हैं ? यदि यह सही है तो पिछले पांच महीनों में कितने आतंकवादी तथा प्रशासन की सहायता से पुलिस हिरासत या जलों से भाग चुके हैं, कितने पुलिस कर्मी और प्रशासन अधिकारी इस बारे में दोषी पाये गये हैं, उनके खिलाफ क्या कार्यवाही आपकी सरकार ने की है और आगे से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: If you compare Pakistan's flag with the Janata Dal flag, it looks the same.

श्री वीरेन्द्र वर्मा :*

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : चेयरमैन साहब, यह जो सवाल है . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : यह बाहर जाकर तय कीजिए ।

SHRI VIRENDRA VERMA:

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : यह बात सही है कि खास कर के जम्मू और कश्मीर सर्विसेज में और पुलिस में कुछ लोग ऐसे थे कि जो वहां मिलिटेंट एक्टिविटी है, सब वर्सिव एक्टिविटी है वहां, उसमें शामिल थे और कुछ लोग ऐसे भी थे जो सर्विस में रह कर भी वहां पी. ओ. के. से ट्रेनिंग करके आए थे । उनको स्टेट गवर्नमेंट ने पकड़ लिया है । वाजाप्ता सबूत है । उनमें से कुछ लोगों को अरेस्ट किया गया है, उनके खिलाफ तहकीकात जारी है और जितने लोग गवर्नमेंट से बखनेस्त किये गये हैं, वह 106 हैं । उन 106 में से 73 सिविलियन्स हैं और बाकी पुलिस के कर्मचारी हैं । इसमें कोशिश यह हो रही है कि जनरल इनकिल्ट्रेशन की जो रिपोर्ट है पूरी, पुलिस की इनफार्मेशन उनको पास आडिट होती थी और जो डिपार्टमेंट के लोग वहां जाकर ट्रेनिंग करके व यहां भर्ती करने का वालेंटियर्ज का काम करते थे उनको पकड़लिया गया है । लेकिन जनरल, कोशिश यह है कि जिनके खिलाफ स्पेसिफिक कोई एविडेंस हों, उन्हीं के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है।

श्री सभापति : यह वह पूछ रहे हैं कि जेल से कितने फरार हुए हैं ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : उनमें से जेल से कोई फरार नहीं हुआ है।

श्री सभापति : मतलब यह है कि इन इम्पलायीज में से कोई फरार नहीं हुआ है ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : इम्पलायी कोई फरार नहीं हुआ है।

डा० रत्नाकर पांडेय : मैं आपके माध्यम से अपना प्रश्न दोहहराना चाहता हूं कि पिछले पांच महीने में कितने आतंकवादी पुलिस तथा प्रशासन की सहायता से पुलिस हिरासत से भाग चुके हैं ? कितने पुलिस कर्मी और प्रशासन अधिकारी इस बारे में दोषी पाये गये हैं ?

उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है। भविष्य में ऐसे घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है लेकिन

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : जेल से कोई बारह के करीब भागे थे। जेल का सारा स्टाफ, सुपरिंटेन्डेंट जेल और डिप्टी सुपरिन्टेंडेंट और सारी पुलिस को जो भी वहां थे, उनको डिसमिस किया गया है, सर्विस से डिसचार्ज किया गया है।

श्री चतुरानन मिश्र : सभापति जी, यह तो अच्छा है कि सरकार जो प्रोपेगाकर सोनेल है हमारी सर्विसेज में, उनके खिलाफ कार्यवाही कर रही है। यह तो अच्छी बात है, लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि टोटलो कितने अफसरों के खिलाफ—ऐसी रिपोर्ट सरकार के पास आई है—कि वह किस रैंक के थे और कितने लोगों पर कार्यवाही की गई है ? नम्बर एक।

उसी संबंध में मैं एक बात और जानना चाहता हूं कि चूंकि जम्मू और कश्मीर में जो हमारी सर्विसेज के लोग हैं, उसमें वहां की जो आबादी है, खास करके वैली एरिया की, वह ज्यादा मुसलिम पापुलेशन है और ओवर-वेल्मिंग्ली, लेकिन प्रशासन में इनका अनुपात, प्रोपोर्शन बहुत कम है।

तो क्या ऐसी बात तो नहीं हो रही है कि उनके खिलाफ लगातार रिपोर्ट बराबर आ रही है ?

हमारा प्वाइंट क्लियर हुआ या नहीं, यह फिर दोहरा दूं। जो कश्मीर का प्रशासन है, उसमें वहां की आबादी का जो विशाल बहुमत है, उसका रेप्रजेंटेशन नहीं है, बहुत कम रेप्रेजेंटेशन है इस कारण क्या वायस्ड रिपोर्ट तो सरकार के पास नहीं आती है ?

इसलिए इन दो बिंदुओं पर, पहले मैंने कहा कि किस कैटेगरी के किस अफसर पर कितने चार्जेज आए और कितने पर आपने कार्यवाही की और इसको दो हिस्सों में बांट दीजिए--एक जो आपकी हुकूमत में आने के बाद हो और एक जो पहले हमारी कांग्रेस के लोग जब राज कर रहे थे, उस वक्त में भी यह बात थी या खाली आपके ही वक्त में यह बात आई है ?

इन तीनों बिंदुओं पर कृपया सफाई कर दें, ताकि हम सभी लोग जान जायें।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : इनमें से जिन एम्पलायीज को डिसचार्ज किया गया है, उनमें, चार गजेटिड हैं और नान-गजेटिड 102 हैं और यह जो दूसरा सवाल इन्होंने किया कि जहां तक वहां की आबादी का ताल्लुक है, ज्यादातर मुसलिम, मैं यह कह सकता हूं कि 80 फीसदी वहां के जो लोकल हैं, वही सब हैं। उसमें कोई बायस्ड राय का सवाल नहीं है।

श्री सभापति : श्री अजीत जोगी।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : सान्यवर, मैंने सब से पहले हाथ उठाया था और आप मुझे चांस नहीं देते मुझे आपसे यह शिकायत है।

श्री सभापति : आप बहुत सीनियर मेम्बर हैं, मैं यह कह चुका हूं . . (**व्यवधान**)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : इसीलिए आप सीनियर मैम्बर को चांस नहीं देते। इसीलिए कह रहा हूं।

श्री सभापति : वर्मा जी, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह सैटल्ड प्रिंसिपल है कि कौन आई कैच करता है, यह स्पीकर डिसाइड करता है, चेयर मैंन डिसाइड करता है, आप सहज चिल्ला कर के पुराने होने के नाते कोई दबाव चेयर पर नहीं डाल सकते। आप अपनी जगह पर तशरीफ रखिए। . . (**व्यवधान**)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : आप आई कैच नहीं करते। आपको वह देर हैं। . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : मैं फैसला करता हूं। I discharge my duties according to my consciene and I am responsible to my conscience. I give whatever I consider fair and have been giving fair chance to you. If you think otherwise, it is your. . . (*Interruptions*).

श्री वीरेन्द्र वर्मा : * . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : जी, क्या फरमाया आपने ?

श्री वीरेन्द्र वर्मा : * . . . (**व्यवधान**)

*Expunged as ordered by the Chair.

एक माननीय सदस्य : आप मुआफी मांगिए । . . . (**व्यवधान**)

SHRI P. UPENDRA: Sir, we apologise on his behalf. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN...I call on whoever catches my eye to put supplementaries. (*Interruptions*).

श्री माखन लाल फोतेदार : मुआफी मांगी या नहीं ?

श्री सभापति : बुजुर्ग आदमी है । . . . (**व्यवधान**) उन दोनों में झगड़ा हो रहा है तो मैं उसमें क्या बोलूं । . . (**व्यवधान**) दोनों के बीच में झगड़ा हो रहा है तो मैं बीच में क्यों बोलूं ? . . . (**व्यवधान**) शायद आपको बात का असर हो गया होगा . . (**व्यवधान**)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I agree it is my fault.
कम से कम ,मैंने तो किसी को सर्टिफिकेट . . . (**व्यवधान**) तो नहीं दिया अभी तक । . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : श्री अजीत जोगी ।

श्री अजीत जोगी : मान्यवर, मंत्री जी ने अभी अपने उत्तर में बताया है कि 106 अधिकारी ऐसे थे जिनको अलगाववाद से सहानुभूति थी और उनके खिलाफ कार्यवाही की गई । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि राष्ट्र के दूसरे प्रांतों के बहुत से वरिष्ठ अधिकारी विशेष कर आई०ए०एस० और और आई०पी०एस० अधिकारी, जिनके लिए राष्ट्र की सेवा और राष्ट्र की आवश्यकता का तकाजा है इसलिए कश्मीर में जाकर अपनी सेवायें देने के इच्छुक तो हैं किन्तु साथ ही यह बात भी है कि काश्मीर में इस समय जाना खतरे से खाली नहीं हैं इसलिए मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या ऐसा अधिकारियों को जो कि काश्मीर में जाकर अपनी सेवा देना चाहते हैं, प्रोत्साहन के रूप में उनको कुछ दिया जाएगा, कोई पदोन्नति दी जाएगी या कैडर चेंज करने की उनको अनुमति दी जाएगी जिससे जब वे काश्मीर में अपनी सेवा समाप्त कर चुकें तो उनको उस सेवा के बदले भी कुछ प्रोत्साहन मिल सके ? यदि ऐसा प्रोत्साहन आप देंगे तो बहुत से वरिष्ठ और अच्छे अधिकारी राष्ट्र के दूसरे हिस्सों से काश्मीर में जाकर सेवा कर सकेंगे । क्या इस पर आप विचार करके कोई फैसला करेंगे ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : चेयरमैन सर, इस वक्त जितने भी आफिसर्ज हैं, एक तो जो आई०ए०एस०/आई०पी०एस० काश्मीर कैडर से हैं, वे वहां सर्व करते हैं, दूसरे यहां से भी जितने आफिसर्ज हमने भेजे हैं वे बड़ी खुशी से जाते हैं और इसे इट इज ए नेशनल ड्यूटी वे समझते हैं कि वहां जाना उनकी जिम्मेवारी है, लेकिन जो नेशनल वहां के हमारे कंट्री के कुछ इन्स्टीट्यूशंज हैं जैसे बैंकिंग है, इंश्योरेन्स हैं और दूसरे हैं, छोटे मुलाजिमों को हम कुछ इंसेटिव देना चाहते हैं जो वहां जायें, लेकिन जनरली जिनको भी वहां भेजा गया है तो किसी ने अभी यह नहीं कहा कि नहीं जायेंगे । एवरीबॉडी इज गोइंग, उसमें स्पेशल एनकरेजमेंट का कोई सवाल नहीं है ।

श्री अजीत जोगी : जो अपनी मर्जी से जा रहा है उसे कुछ अगर आप प्रोत्साहन दें तो अच्छा होगा जिससे दूसरे लोग भी जा सकें ।

श्री सभापति : यह आपका मश्विरा है ।

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: The hon. Minister said that 106 non-gazetted officers and 4 gazetted officers have been removed from service on the alleged ground that they are having certain leanings in favour of certain persons or a certain country. Were they given any show-cause notice, any opportunity of being heard before ou took that decision or was it taken ex-parte?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : इसमें यह तादाद जो है वह बहुत कम है । इसमें बिल्कुल जिनके खिलाफ डाएरेक्ट एवीडेंस था उनको ही किया गया ।

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: Mr. Chairman. I want your protection. Sir, my question is different. I have said that you have condemned somebody, but before doing that, did you issue him the charge-sheet and did you hear him on the allegation? Did you do that or not? Is it an ex-parte decision?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Sir, I must make it very clear that this is a question of an employee who is involved in subversive activities and who has gone across the border. So there is no question of giving him any chance. Prima facie he is involved in this case. How can we give him a chance of hearing?

MR. CHAIRMAN: Prof. Sourendra Bhattacharjee.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Whereas there cannot be any two opinions that those who have no loyalty to the country and are in league with those conspiring against the interests of the country should be adequately punished, at the same time I would request the Home Minister to clarify, in view of the very sensitive situation in Jammu and Kashmir, whether every precaution is being taken to ensure that there is no excess in these matters.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: I must say, Sir, that a very selective action has been taken. It is only 106 employees against whom the action has been taken, not so many. It is not in hundreds and thousands.

MR. CHAIRMAN: Shri Shankar Daal Singh.

श्री शंकर दयाल सिंह : जान्यवर, यह सवाल जब आपके माध्यम से सरकार से पूछा गया तो बेल साहब और रत्नाकर पाण्डेय साहब ने शेर" के द्वारा पूछा । इसलिए मैं चाहता हूं कि सवा शेर" से शुरू करू । मैं कहना चाहता हूं कि–

कलम लगायेंगे, दुश्मन का सर कलम कर के, नई कलम की जरूरत है अब चमन के लिए । ये हिंदु, ये सिख, ये मुसलमान और ईसाई क्या वतन तो उसका है जो खून दे वतन के लिए ।"

सभापति महोदय, मैं मानता हूं कि सारे काश्मीरी भाई भारत के हैं और अपने देश के लिए वहां खून दे रहे हैं। ये सारे राष्ट्रवादी लोग हैं । लेकिन कुछ उसमे ऐसे लोग जरूर आ गए हैं जिनके बारे में हम सभी चिंतित हैं । मै सरकार से यह जानना चाहता हूं कि जिन लोगों को आपने एरेस्ट किया और जेलों मे रखा और कुछ लोग जो जेलों से भाग रहे हैं, उनकी सुरक्षा का भी प्रश्न है । तो क्या आप ऐसे लोगों को कश्मीर घाटी में न रखकर जम्मू या उसके भी आगे दूसरी जेलों मे रखेंगे जिससे कि आप इस बात के लिए शंकित न हों सकें कि कही फिर इन को भागने का मौका मिले ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : इस में बहुत कम लोग हैं । श्रीनगर सेंट्रल जेल से 12 के करीब लोग भागे । तो ऐसी बात नहीं है कि हर जेल से लोग भाग रहे हैं ! एक ही इंसीडेंट ऐसी हुई है।

MR. CHAIRMAN: Shri S. B. Chavan.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, may I ask the hon. Home Minister about the personnel belonging to All India Services, IAS, IPS and all other transferable posts of Gazetted officers? In these Services, normally a particular percentage is allotted to a State. In the case of Jammu & Kashmir, from among the IAS and IPS how many of them belong to Jammu & Kashmir and how many of them are from outside Jammu & Kashmir? If the percentage happens to be high, will the Government consider transferring some of these IAS and IPS officers outside Jammu & Kashmir, and post other officers from other areas to Jammu & Kashmir, not only in the IAS and IPS, but all other Gazetted transferable officers? Will this kind of an exchange be considered by the Government?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Mr. Chairman, Sir, I must say that one of the reasons for discontentment among the local officers is that they are not adequately represented in IAS and IPS. Previously there was a ratio of 50 per cent local and 50 per cent non-local. Therefore, this is one of the reasons for their discontentment. We have decided that for some time we have to bring that ratio like this: 50 per cent will be recruited as IAS and IPS officers from the locals and 50 per cent non-local. This is one of the reasons why there is discontent among the IAS and IPS officers.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, I am not asking about recruitment.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Sir, his question is about transferring some of the IAS and IPS officers from there to other parts of the country. There are a very few IAS and IPS local officers. We want some local officers to be promoted. But if we do it *vice-versa* it will not have a good effect. If we transfer the officers, those who are left, it will not be good and there will be a great discontent among them.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, I do not think I have got the reply to the question which I have asked.

Sir, I am not on the question of recruitment to the IAS and IPS or to any other Gazetted posts. But I am asking about the posting of officers in Jammu and Kashmir which will have to be on the basis of the percentage which is obtaining in the other parts of the country. If it is 50 per cent or 60 per cent then, of course, it is disturbing, it is a disturbing situation and you will have to transfer some of those officers, some of the Gazetted officers and other officers of equivalent rank in that area so that some kind of a ratio, which is obtaining in the other parts of the country, is maintained in Jammu and Kashmir also.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Sir, I must say that with regard to local recruits, as far as direct competition for the IAS and IPS is concerned, there are not many.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, I am not asking about recruitment... (*Interruptions*)...

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: But you are talking about the personnel.

SHRI S. B. CHAVAN: Yes.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: You are asking about transferring them. We cannot do it. Transferring the local IAS and IPS officers to other parts of the country —that is what you mean. Isn't it?

SHRI S. B. CHAVAN: Yes, transferring them outside.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: No, that is not possible. There are a very few officers in the IAS... (*Interruptions*)...

SHRI S. B. CHAVAN: What is the percentage?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Very little; must be not more than 20 per cent.

SHRI S. B. CHAVAN: But, according to my information, the percentage is very high... (*Interruptions*)...

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: It is very high, about 75 per cent.

SHRI S. B. CHAVAN: The percentage is very high, according to my information, and they are most reluctant to go outside and that is why I am asking this question as to why it is that you are suspecting that some of the officers even in the Gazetted rank are involved in this kind of activities. So, will it not be the best solution to bring them to a particular level and see that those officers go outside?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Sir, I must categorically say, for the information of the honourable Member, that as far as local direct recruit officers in the IAS and the IPS are concerned, there are a very few only, and the number is only nominal. That is why there is a great discontent in the administration.

MR. CHAIRMAN: Question No. 202.

फोन बीच में सुने जाने की जांच

*202. **श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल :** †
श्री मुरलीधर चन्द्रकांत भंडारे

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संसद सदस्यों तथा अन्य नेताओं के टेलीफ़ोन बीच में सुने जाने तथा उनकी बातचीत चोरी छिपे सुने जाने के कथित आरोप के संबंध में केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच पूरी तरह कर ली गई है ;

(ख) यदि हां, तो उसका क्या निष्कर्ष निकला ; और

(ग) उस पर सरकार द्वारा क्या अनुवर्ती कार्यवाही की गई है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) जी नहीं ।

(ख) उपर्युक्त भाग (क) के उत्तर को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) रिपोर्ट प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाएगी ।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, is he the right Minister? I think the Home Minister would be the proper person to deal with this... (*Interruptions*)...Sir, this is an important matter, telephone-tapping, and it is done on the orders of the Home Ministry. So, don't you think that the Home Minister should be answering this question?... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The Communications Minister is doing it, he is answering it. That is all.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, this is a very important question. Which Ministry deals with telephone-tapping... (*Interruptions*)...and bigging? ...Is it the Home Ministry that deals with phone-tapping? Is it the Home Ministry or the Ministry of Communications?... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, Mr. Salve should know better!... (*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, this that Ministry does not deal with it, who will give the reply?... (*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: There is no such thing. He is answering the question. That is all... (*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: Nonetheless, Sir, I would request you to consider this point... (*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: Sir, Mr. Salve should be knowing it... (*Interruptions*)...It is best known to Mr. Salve... (*Interruptions*)...

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Sir, he has raised a question and it has to be answered... (*Interruptions*)...

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, there should be no tapping in between supplementaries... (*Interruptions*)...

श्री एन० के० पी० साल्वे : चेयरमैन साहब, अगर मंत्री जी डील करते हैं, मान ले तो फ़िर माननीय सदस्य सवाल करें। **(व्यवधान)**

†सभा में यह प्रश्न श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल द्वारा पूछा गया ।